

नाट्य-ग्रन्थमालाका पांचवां ग्रन्थ

भारत-रत्न

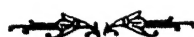
सामाजिक दृश्योसे परिपूर्ण

नाटक

लेखक—



काशी निवासी—बाबू दूर्गाप्रसाद गुप्त .



प्रकाशक—

मिहलचन्द एण्ड कम्पनी ।

नं० १, नारायणप्रसाद बाबू लेन,

कलकत्ता ।



द्वितीयवार १००० } सम्यत १६८२ { मूल्य सादी १।)
रेशमी जिल्द १॥)